

वसायारम

EXTRAORDINARY

भाग II—काण्ड 3---उपलण्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 69]

मई बिस्लो, सुधवार, प्रावैल 7, 1971/चेत्र 17,189 3

No. 69]

NBW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 7, 1971/CHAITRA 17, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 7th April 1971

G.S.R. 521.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts any mineral oil falling under Item No. 8 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 13.25 per kilolitre at fifteen degrees of centigrade thermometer, subject to the following conditions, namely:—

- (1) the mineral oil—
 - (a) has its flashing point at or above two hundred degrees of Fahrenhelt's thermometer;
 - (b) has a flame height of not more than fourteen millimetres;
 - (c) contains less than 0.25 per cent bituminous substance;
 - (d) has a viscosity of fifty seconds or more by Redwood I Viscometer at one hundred degrees of Fahrenheit's thermometer:
- (e) is not ordinarily used as an external fuel, or as fuel for internal combustion engines, or as an illuminant;
- (2) it is proved to the satisfaction of the Collector of Central Excise that the mineral oil is intended to be used in the manufacture of agricultural spray oil;

(3) the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed.

[No. 44/71-C.E./F. No. 9/6/68-CX-3.] P. R. KRISHNAN, Under Becy.

विश्व मंत्रालय

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

प्रधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद शुरक

मई विल्ली, 7 मंत्रैल, 1971

साठ काठ निर्व 521. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपित्यम (1) द्वारा प्रवल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम मनुसूची की मद सं० 8 के मन्तर्गत माने वाले किसी भी खिनज तेल को उस पर उद्यहणीय उत्पाद शुल्क के उतने भाग से एतद्द्वारा छूट देती है जितना निम्नलिखित शतौं के मधीन रहते हुए, सेंटीग्रेड धर्मामीटर की पन्त्रह बिग्री पर 13.25 वपए प्रति किलोमीटर से माधिक्य में है, अर्थात:—

(1) व्यनिज तेल---

- (क) का प्रज्वजन ताप फारेनहाइट वर्मामीटर की दो सी डिग्री पर <mark>या उस से ऊपर</mark> हो;
- (ख) की ज्वाना-अंघाई (फ्लेम-हाइट) चौदह मिलीमीटर से अनधिक हो ;
- (ग) में बिट्रमेनी तत्व 0.25 प्रतिशत से कम हो ;
- (क) में फारेनहाइट धर्मामीटर की एक सौ डिग्री पर रेडवुड I विस्कोमीटर द्वारा पचास सेकिण्ड या प्रक्षिक की विस्कासिता हो ;
- (ड॰) में सामान्य रूप से बाह्य देंधन, या भन्तर्वहन ईजन के ईप्रन या प्रदीपक के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जाए ;
- (2) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकटर को समाधानाप्रद रूप में यह सिद्ध कर दिया जाए कि खनिज तेल कृषि स्त्रे तेल के विनिर्माण में प्रयुक्त किए जाने के लिए प्राशायित है;
- (3) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के घशवाय 10 में उपवर्णित प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

[सं 0 44/71-सी 0 ई 0/फ 0 सं 0 9/6/68-सी एक्स-3.]

पी॰ धार॰ कुण्णन सवर सचिव,